श्री दुर्गा पूजा

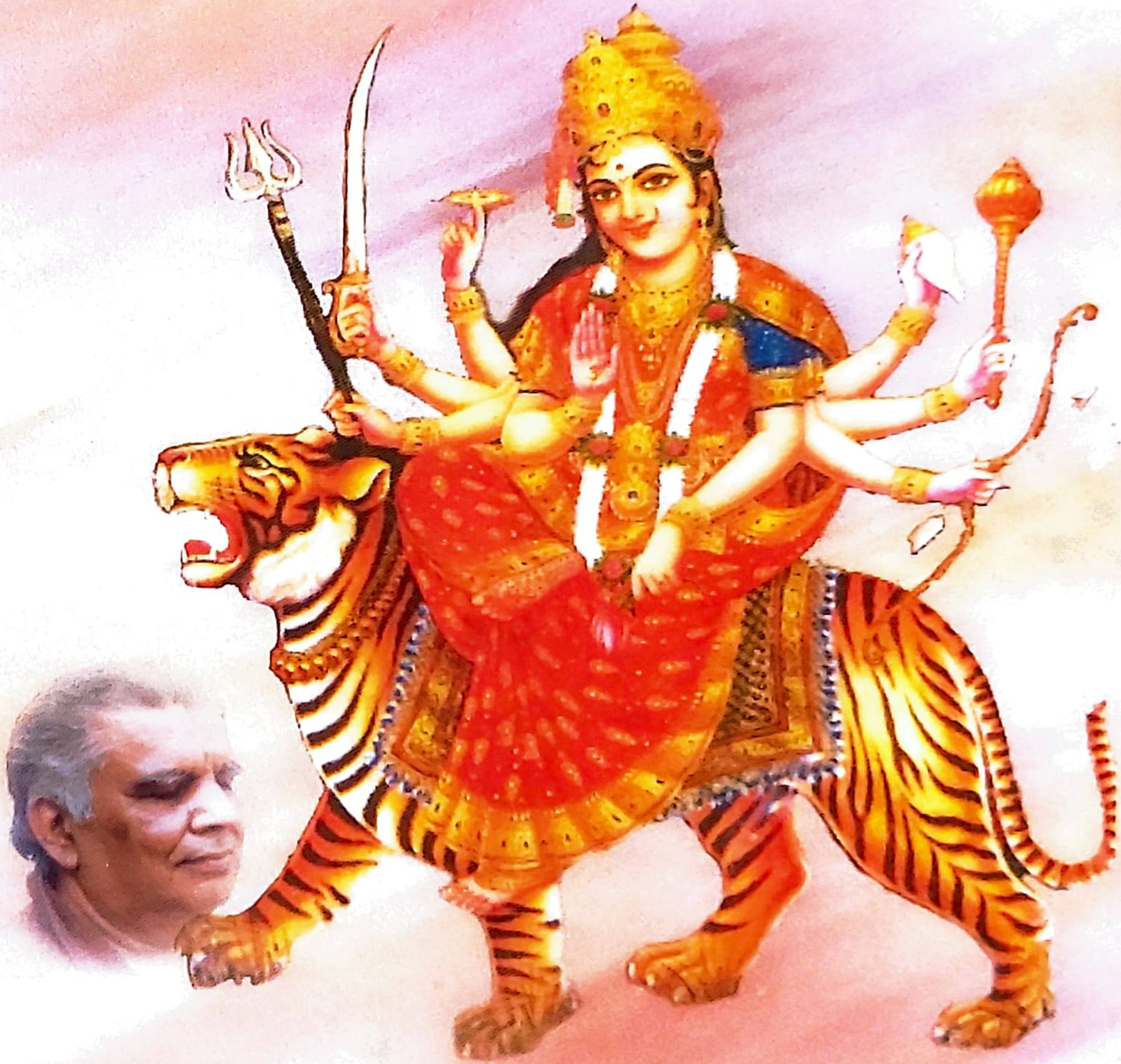

१ ओंकार श्री महादुर्गायै नमः।। ॐ शैलपुत्रियै नमः।। ॐ ब्रह्मचारिणियै नमः।। ॐ कायत्यानियैनमः।। ॐ चन्द्रघण्टायैनमः।। ॐ कुष्माण्डायै नमः।। ॐ स्कन्दमातायै नमः।। ॐ कालरात्रियै नमः।। ॐ सिद्धिदात्रियै नमः।। ॐ महागौरियै नमः।। नौ नाम दुर्गा के साधो सब जग पावन कीजैं।। कलयुग में दुर्गे नौ नामा सभी पाप

हर लीजैं।।१।। दया करो जगदीशवरी सर्व जगत् की जाई।। स्वास स्वास से नीकसे जौ जौ दुर्गा माई।।२।। ॐ श्री दुर्गा सुखदायिनियै नमः।। जै दुर्गा जै मैय्या अम्बे।। सच्ची भक्ति दो जगदम्बे।।३।। ॐ श्री दुर्गाभवानियै नमः।। जै हो जै दुर्गा महारानी।। तू ही गौरी मात भवानी।। बच्चों की तू रक्षा करती।। भक्तों के

भण्डारे भरती।। सर्व जगत् को पावन करती।। पतित जनों के पाप है हरती।। नाम तेरो है मंगलकारी।। तू है मात भगत् भयहारी।। वेद पुरान तेरो गुन गावें।। वै भी तेरो पार न पावें।। जो जन शरन तेरी हैं आवें।। माया में नाहीं भरमावें।। नाम तेरो ले लेकर माता।। पापी भी भव से तर जाता । हे माता हम बालक तेरे।। काटो

जनम मरण के फेरे।। ॐ श्री भगवतियै नमः।।४।। जै दुर्गा मातेश्वरी तू ही हमरो साईं।। मंगल मूरत माँ तेरी सदा बसे मन माहीं।।५।। १ ओंकार श्री भगवती जी सहाय।। दुर्गा काली कायत्यानी जै अम्बे जै मात भवानी।। जै सीते जै राधे रानी जै गंगे जै साईं नमामी।।६।। ॐ दिव्य शक्तियै नमः।। रिद्धि सिद्धी से बचाओ जननी दुर्गा

मात।। चरण कमल की भक्ति दीजो मैय्या साची दात।।७।। ॐ श्री आदि भवानियै नमः।। हे जग जननी जगत् ईश्वरी हे दुर्गे माता।। जो जन शरण तेरी है आता सब कुछ ही पाता।। तेरा दिया जगत् में मैय्या हर प्राणी खाता।। सभी भिखारी तेरे दर पर तू ही इक दाता।। तू ही चण्डी आदि भवानी तू ही भव त्राता।। जै हो जै हो दुर्गा

मैय्या सर्व जगत् गाता।। ॐ श्री जगतेश्वरियै
नमः।।८।। ॐ श्री दुर्गायै नमः बोल मधुर ये
बानी।। दुर्गा मैय्या अजर अमर हैं रचना
आनी जानी।।९।। ॐ निर्वाण पद दायिनियै
नमः।। माँ के चरण कमल पे बलिहारी हम
जात।। स्वास स्वास से नीकसे जै जै दुर्गा
मात।। १०।। ॐ श्री दुर्गा चित्तिदेवियै नमः।।
जै जै स्वामी कार्तिक जै जै आदि गणेश।।

जै जै दुर्गा मात की जै जै साईं महेश।।११।।
ॐ श्री त्रिपुरारसुन्दरियै नमः।। जै दुर्गा जै
काली मैय्या जै चण्डी जै चामुण्डा।। जै
कामाक्षी कायत्यानी जै गौरी जै जै
गिरिजा।। जै ब्रह्मानी जै रुद्रानी पारबती
जै जै अम्बे।। जै तुलसी जै महालक्ष्मी जै
मनसा जै जै गंगे।।ॐ तेजसीदेवियै नमः
।।१२।। जै अम्बे जै आदि भवानी।। जै दुर्गे

माँ पतित पावनी।। नमो नमो आदि चित्त
शक्ति।। दीजो हम को सच्ची भक्ति।।१३।।
ॐ निर्वाण पद दायिनियै नमः।। दुर्गा माँ
को सदा भजो भज लो बारम्बार।। जो
माई को ना भजें सो धरती के भार।।१४।।
ॐ दिव्य शक्तियै नमः।। सिमरूँ दुर्गा तेरो
नाम रक्षमाम् रक्षमाम्।। हे मैय्या तू पूरन
काम पाहिमाम् पाहिमाम् ।।१५।। १ ओंकार

श्री पतित पावनियै नमः।। दुर्गा नाम जपो
साधो दुर्गा नाम जपो।। ॐ श्री दुर्गा जै
श्री दुर्गा।। दुर्गा नाम जपो साधो दुर्गा
नाम जपो।। दुर्गा नाम है मंगलकारी।।
दुर्गा मात भगत् भयहारी।। दुर्गा नाम जपो
साधो दुर्गा नाम जपो।। ॐ श्री दुर्गा जै
श्री दुर्गा।। दुर्गा नाम जपो साधो दुर्गा नाम
जपो।। दुर्गा माता दोष है दलती ।। दुर्गा

माता पाप है हरती।। दुर्गा नाम जपो साधो दुर्गा नाम जपो।।ॐ श्री दुर्गा जै श्री दुर्गा।। दुर्गा नाम जपो साधो दुर्गा नाम जपो।। दुर्गा माता भव से तराती।। बच्चों को है पार लगाती।। दुर्गा नाम जपो साधो दुर्गा नाम जपो।। ॐ श्री दुर्गा जै श्री दुर्गा।। दुर्गा नाम जपो साधो दुर्गा नाम जपो।। जै दुर्गा जै मात भवानी।। जै काली

जै अम्बे रानी।। दुर्गा नाम जपो साधो दुर्गा नाम जपो।। ॐ श्री दुर्गा जै श्री दुर्गा।। दुर्गा नाम जपो साधो दुर्गा नाम जपो।। ॐ आदि शक्तियै नमः।।१६।। हे दुर्गा ये प्राणी तो को भक्ति भाव से पाए।। तेरी दया से बच्चा बन कर तुझ में ही मिल जाए।।१७।। ॐ भव तारिनियै नमः।। मैय्या अपने बच्चों पर कृपा करें अगाध।।

हे दुर्गा जग पावनी क्षमा करो अपराध ।।१८।। ॐ श्री दुर्गा भवानियै नमः।। नमो दोष दुख दलनी सर्व पाप हरनी।। तेरी करुणा दुर्गा जाए न बरनी।।१९।। ॐ श्री महिषासुर मर्दिनियै नमः।। दुर्गा तेरो खेल है पावन।। तेरी दया से बच्चों को ये खेल लगत है मन भावन।। कोटि ब्रह्मण्डों की नायक खेल तेरो हैं न्यारो।। हे शरणागत्

वत्सल मैय्या हम को पार उतारो।। काली चण्डी चामुण्डे सभी रूप हैं तेरो।। जै दुर्गा जै मात भवानी तुम स्वामिन हम चेरो।। ॐ सत् स्वरूपियै नमः।।२०।। अपनी छत्र छाया में राखो सद् ही मात।। दुर्गा तेरी गोद में खोए रहें दिन रात।।२१।। ॐ श्री दुर्गायै नमः।। दुर्गा माँ के भजन से सब जग पावन होए।। माँ को भूले जो भी प्राणी

अन्त समय वै रोए।।२२।। ॐ श्री आदि भवानियै नमः।। आदि अनादि शक्ति तुझ को कोटि कोटि प्रणाम।। दुर्गा तुझ बिन जगत् का रहे न नाम निशान।।२३।। ॐ श्री परमेश्वरियै नमः।। दुर्गा तेरी महिमा निर्मल।। पावन तेरो रूप है माता पावन करती है तू जल थल।। दया तेरी होती है जब भी याद तेरी आए है पल पल।।

शरण तेरी में जो भी आए सहजे तर जाए वह भव जल।। तुझ को पाता है सोई जन जा में नाहीं कपट हो ना छल।। हम हैं नन्हें बालक तेरे ना बुद्धि ना विद्या बल।। एक भरोसो जा को तेरो ता को मन होता है उज्वल।। ॐ श्री जगत् जननियै नमः।।२४।। हे जननी हे दुर्गा तुझ बिन हम बच्चों को राखै कौन।। पल पल हमरी

रक्षा करती आदि अनादि शक्ति मौन ।।२५।। ॐ त्रिपुरार सुन्दरियै नमः।। दुर्गा तेरे नाम से सभी अमंगल जात।। जा पर कृपा हो तेरी नाम लेत दिन रात।।२६।।

१ ओंकार परम् ज्योति स्वरूप भगवती जी सहाय।। जगत् पिता जगदीश्वर शंकर भोलेनाथ।। मंगलकारी ध्यान है दुर्गा माँ के साथ।।२७।। ॐ शुम्भनिशुम्भ संहारिनियै

नमः ।। जै दुर्गा जै दुर्गा हमरा स्वास स्वास
है बोलै।। करुणासिन्धु दुर्गा मैय्या अन्दर
के पट खोलै।। दुर्गा माँ के चरण कमल पे
बलिहारी हम जाएँ ।। माँ की पूजा करने
को हम अपना आप चढ़ाएँ ।। माँ माँ माँ
माँ बच्चे यही पुकारें।। अपनी मैं की ज्योत
जलाकर आरती उतारें।। बुद्धिहीन बलहीन
बच्चे कैसे तुझ को पाएँ।। दया करो करुणेश्वरी

ज्योति ज्योत समाएँ ।। ॐ भवतारिनियै
नमः ।।२८।। सूरज चन्दा और सितारे
सब में माँ को देख।। धरती पर भी कण
कण माहीं श्री दुर्गा को पेख।।२९।। ॐ श्री
जगतेश्वरियै नमः।। श्री दुर्गा को जान ले
अजर अमर अमृत अकाल।। कोटि जगत्
रचाए माँ ने माँ ही हैं कालों का काल
।।३०।। ॐ श्री भगवतियै नमः।। जै जै

दुर्गा भगवती जै जग जननी मात।। जिस
जा जिस को जो मिले सोई तेरी दात
।।३१।। ॐ आदि शक्तियै नमः ।।
जै जै दुर्गा बोलते सभी अमंगल जाएँ।।
ऋषि मुनि और सन्त जन दुर्गा माँ को
ध्याएँ।। हे दुर्गा मातेश्वरी शरण तेरी हम
पाएँ।। चरण कमल हृदय धरें बार बार
बल जाएँ।। ॐ श्री महिषासुर मर्दिनियै

नमः।।३२।। कोटि ब्रह्मडों की नायक श्री
दुर्गा पहिचान।। जो होए जो हुआ होगा
कारण माँ को जान।। ३३।। ॐ श्री
दुर्गाभवानियै नमः ।। दुर्गा तेरे नाम से
सभी अमंगल जात।। जा पर कृपा हो तेरी
नाम भजे दिन रात।।३४।। ॐ आदिशक्तियै
नमः।। जो जन माँ की किर्पा चाहे माई
शरण में आए।। दुर्गा माँ की किर्पा पा

कर जनम् सफल कर जाए।।३५।। ॐ सत्स्वरूपियै नमः ।। दुर्गा तेरी दया से जग भरम मिट जाए ।। तुझ बिन हे मातेश्वरी दूजा रह न पाए।। आनन्द तेरी गोद से फूट फूट कर आए।। तुझ में मिल कर जीव ये अपनो आप गंवाए।। जै दुर्गा जै दुर्गा की धुनि घट भीतर से आए।। अमृत सिन्धु में मिल बिन्दु अमृत ही हो

जाए।। ॐ भवतारिनियै नमः ।।३६।। दुर्गा काली चण्डी माता।। नमो नमो भक्तन् सुखदाता।।३७।। १ ओंकार श्री महादुर्गायै नमः।। सर्वव्यापी दरस से पावन की जो माँ।। झूठो ये जग लोप होए दुर्गा मात महान ।।३८।। ॐ त्रिपुरारसुन्दरियै नमः।। जै दुर्गा जै दुर्गा कहते जीव अमर हो जाए।। जन्म जन्म की बिगड़ी मैय्या सोयम् आप

बनाए ।। दुर्गा माई जगत् रचाई ता में आप समाई।। दुर्गा माँ के चरण कमल पे सदा रहो लिव लाई ।। जै दुर्गा जै हेमनन्दिनी जै जै कायत्यानी।। जै गिरिजा जै गौरी मैय्या जै जै मात भवानी।। ॐ शुम्भ निशुम्भ संहारिनियै नमः ।।३९।। जै जै गणपति दीनदयाला।। जै जै दुर्गा माँ के लाला।। मंगलकारी नाम है तेरो।।

हर लो देव अमंगल मेरो।।४०।। ॐ श्री
जगजननियै नमः।। जै जै स्वामी कार्तिक
दुर्गा माँ के जाये।। दुर्गा माँ की शक्ति
पा कर तीन लोक से असुर मिटाए।।४१।।
ॐ श्री दुर्गा सुखदायियिनियै नमः।। माँ चरण
कमल बल जाऊँ।। माँ अपना आप गवाऊँ।।
माँ तुम ही तुम रह जाओ।। माँ आप
माहीं मिलाओ।। माँ मिटे नाम

हमारा ।। माँ तू ही ओर तुम्हारा माँ जै दुर्गा मन बोले।। माँ जै दुर्गा जै भोले।।ॐ दिव्य शक्तियै नमः।।४२।।

आरती श्री दुर्गा महारानी जी की।। जै दुर्गा महारानी।। जै जै जग कल्याणी।। शेरों की असुवारी।। जै मैय्या भव भयहारी।। जै किर्पा सिन्धु माई।। जै सर्व जगत् की जाई।। जै जग जननी

माता।। जै भव सागर त्राता।। माँ करूँ आरती तेरी।। हौमै अपनाओ मेरी।।४३।।

"१ ओंकार अकाल शक्ति शरणम्"

"ॐ शिव शक्ति ॐ"

"ॐ श्री साई"